जिला चित्तौड़गढ़ से आत्मा (ATMA) के अंतर्गत कृषकों का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान भ्रमण दिनांक 23.1.18

दिनांक 23.1.18 को चित्तौड़गढ़ जिले के आत्मा योजना के अंतर्गत अंतर्राज्यीय अध्ययन भ्रमण के तहत 50 कृषकों ने श्री नंदलाल नाहर, कृषि पर्यवेक्षक एवं श्री शंकरलाल नाई, कृषि पर्यवेक्षक के साथ शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर का भ्रमण कर शोध गतिविधियों से संबन्धित विभिन्न जानकारियाँ प्राप्त की।

कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से कृषकों को संस्थान की विभिन्न शोध गतिविधियों से संबन्धित जानकारी, जिसमें कृषि-वानिकी , चारागाह मॉडल , टिब्बा स्थिरीकरण , वनीकरण, मृदा एवं जल संरक्षण हेतु सूक्ष्म संरचनाएं , लवण प्रभावित शुष्क क्षेत्रों का पुनर्वासन , जल प्लावित क्षेत्रों का सुधार, कार्बन प्रच्छादन, औषधीय पौधे, गुगगल इत्यादि विषयों से जुड़ी जानकारी शामिल थी।

कृषकों को संस्थान की अकाष्ठ वनोपाज़ प्रभाग , पारिस्थितिकी प्रभाग, वन संरक्षण प्रभाग, वन आनुवांशिकी एवं वृक्ष प्रजनन प्रभाग की प्रयोगशालाओं का श्री चौधरी द्वारा भ्रमण करवाया गया जहां विभिन्न शोधार्थियों ने भी वन संरक्षण , अकाष्ठ वनोपाज़, आई.सी.पी.-एम.एस. (ICP-MS) एवं उत्तक संवर्धन इत्यादि की जानकारी कृषकों को उपलब्ध करवाई ।

कृषकों ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित विभिन्न शोध संबंधी सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया। श्री चौधरी ने विस्तार एवं निर्वचन केंद्र में अवक्रमित पहाड़ियों का पुनर्वासन , टिब्बा स्थिरीकरण , जल प्लावित भूमि का पुनर्वासन , सहित विभिन्न जानकारियाँ कृषकों को दी।

श्री चौधरी ने पेड़ों की महत्ता , पर्यावरण, पेड़ों से परोक्ष एवं प्रत्यक्ष लाभों की जानकारी भी दी। श्री चौधरी ने पोलीथीन के दुष्प्रभाव की भी चर्चा की।

भ्रमणकारी दल को संस्थान द्वारा प्रसारित विभिन्न औषधीय पौधों के विवरण एवं कृषिकरण से संबन्धित लीफ-लेट, कृषि वानिकी के विविध लाभ , मॉडल नर्सरी की स्थापना, विधियाँ एवं लाभ इत्यादि ब्रोशर तथा संस्थान की सूचना पुस्तिका इत्यादि प्रचार-प्रसार साहित्य भी उपलब्ध करवाया गया।